



Methi Ke 50 Madani Phool (Hindi)

# मेर्थी के 50 म-दनी फूल



शैखे तरीकत, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा 'बते इस्लामी, हजरते अल्लामा मौलाना अबू बिलाल

مُحَمَّدِ إِلْيَاسِ اَبْنَى دِرِيِّ رَجْوَى  
محمد إلیاس بن دیری رجوا

الْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ  
أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطَنِ الرَّجِيمِ يَسِّرْ لِلّٰهِ الرَّحْمَنُ الرَّحِيمُ

## किलाब पढ़ने की छुआ

अज़ : शैखे तरीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी, हज़रते अल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद इल्यास अन्तार कादिरी र-ज़वी दामेत ब्रकानूम्माल्लामा

दीनी किलाब या इस्लामी सबक पढ़ने से पहले जैल में दी हुई दुआ पढ़ लीजिये जो कुछ पढ़ेंगे याद रहेगा । दुआ ये है :

اللّٰهُمَّ افْتَحْ عَلَيْنَا حِكْمَتَكَ وَادْسِرْ  
عَلَيْنَا رَحْمَتَكَ يَا دَاءِ الْجَلَالِ وَالْأَكْرَامِ

तरजमा : ऐ अल्लाह ! हम पर इन्होंने हिक्मत के दरवाजे खोल दे और हम पर अपनी रहमत नाज़िल फ़रमा ! ऐ अ-ज़मत और बुजुर्गी वाले । (المُسْتَنْطَرُ ج ٤، ص ٤٤ دار الفکر بروت)

नोट : अब्बल आखिर एक एक बार दुरुद शरीफ पढ़ लीजिये ।

तालिबे गमे मदीना

व बकीअ

व मरिफत



13 शब्वालुल मुकर्म 1428 हि.

## मेथी के 50 म-दनी फूल

ये हरिसाला (मेथी के 50 म-दनी फूल)

शैखे तरीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी हज़रत अल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद इल्यास अन्तार कादिरी र-ज़वी ने उर्दू ज़बान में तहरीर फ़रमाया है ।

मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी) ने इस रिसाले को हिन्दी रस्मुल ख़त में तरतीब दे कर पेश किया है और मक-त-बतुल मदीना से शाएअ करवाया है । इस में अगर किसी जगह कमी बेशी पाएं तो मजलिसे तराजिम को (ब ज़रीअ मक्तूब, ई-मेइल या SMS) मुत्तलअ फ़रमा कर सवाब कराये ।

**राबिता : मजलिसे तराजिम** (दा'वते इस्लामी)

मक-त-बतुल मदीना, सिलेक्टेड हाउस, अलिफ़ की मस्जिद के सामने,

तीन दरवाज़ा, अहमदआबाद-1, गुजरात

الْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ  
أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللّٰهِ مِنَ السَّيِّطِرِينَ الرَّجُعِيْمِ يَسِّعُ اللّٰهُ الرَّحْمَنُ الرَّحِيْمُ

## मेथी के 50 म-दनी फूल

## दुरुद शरीफ़ की फ़ज़ीलत

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

الْحَمْدُ لِلَّهِ عَزَّ وَجَلَّ  
अल्लाहू त्ताला की बे शुमार ने 'मतों में से एक ने' मत मेथी भी है जो कि सिह्हते इन्सानी के लिये निहायत मुफ़्रीद है और **الْأَعْلَمُ** मैं (सगे मदीना (عَفَى عَنْهُ ने भी इस से नफ़अ़ उठाया है लिहाज़ा फ़रमाने मुस्तफ़ा خَيْرُ النَّاسِ مَنْ نَفَعَ النَّاسَ - : صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ या'नी "इन्सानों में बेहतर वोह है जो लोगों को नफ़अ़ पहुंचाए ।" (1) पर अ़मल की नियत से मेथी के बारे में **50** म-द्वनी फूल पेश करने की सआदत हासिल करता हूं । येह बात हमेशा के लिये याद रखिये कि किसी भी शख्स के बताए हुए या किताबों में लिखे हुए बल्कि अहादीसे मुबा-रका में बयान कर्दा इलाज भी माहिर तबीब के मश्वरे के बिगैर नहीं करने चाहिए ।

फरमाने मुस्तफ़ा : عَزَّ وَجَلَ اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَالْمَسِّنَى : जिस ने मुझ पर एक बार दुर्लक्ष पाक पढ़ा अल्लाहू उस पर दस रहमतें भेजता है। (صلَّى)

﴿١﴾ **फ़रमाने मुस्तफ़ा** : صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَالَّهُ وَسَلَّمَ إِسْتَشْفُوا بِالْحُلْبَةِ - “मेथी से शिफ़ा हासिल करो ।”<sup>(1)</sup> मेथी को अ-रबी में हुल्ब्बह, फ़ारसी में शम्बलीला, पश्तो में मल्खूज़ा और अंग्रेज़ी में (फ़ीनूग्रीक) FENUGREEK बोलते हैं ।

『2』 मेथी में विटामिन B, फ़ोलाद, फ़ासफ़ोरस और केलिशयम की मौजू-दगी जिस्मानी कमज़ोरी और खून की कमी दूर करती है।

『3』 मेथी दाल की तरह पका कर, या खिचड़ी बना कर, या मेथी का पाउडर चटनी या छाछ में शामिल कर के भी फ़ाएदा हासिल किया जा सकता है।

«४» थोड़े बहुत मेथी दाने हर तुरह की तरकारी वगैरा में ज़रूर डालने चाहिए।

«५» मेथी आंखों की पीली रंगत, मुँह की कड़वाहट और दिल ख़राब होने की कैफियत ख़ुत्म करती है।

﴿6﴾ जिस के मुंह से लुआ़ब या'नी राल बहती हो उस के लिये मेथी का इस्त'माल हैरत अंगेज् तासीर रखता है ।

## दाढ़मी कृष्ण और पेट की बीमारियों का इलाज

﴿7﴾ मेथी बद हज़्मी, खट्टी डकारें और भूक की कमी दूर करती है।

॥८॥ मेरी पेट की हवा खारिज करती और जिगर का फे'ल दुरुस्त करती है।

44  
45  
46  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60  
61  
62  
63  
64  
65  
66  
67  
68  
69  
70  
71  
72  
73  
74  
75  
76  
77  
78  
79  
80  
81  
82  
83  
84  
85  
86  
87  
88  
89  
90  
91  
92  
93  
94  
95  
96  
97  
98  
99  
100  
101  
102  
103  
104  
105  
106  
107  
108  
109  
110  
111  
112  
113  
114  
115  
116  
117  
118  
119  
120  
121  
122  
123  
124  
125  
126  
127  
128  
129  
130  
131  
132  
133  
134  
135  
136  
137  
138  
139  
140  
141  
142  
143  
144  
145  
146  
147  
148  
149  
150  
151  
152  
153  
154  
155  
156  
157  
158  
159  
160  
161  
162  
163  
164  
165  
166  
167  
168  
169  
170  
171  
172  
173  
174  
175  
176  
177  
178  
179  
180  
181  
182  
183  
184  
185  
186  
187  
188  
189  
190  
191  
192  
193  
194  
195  
196  
197  
198  
199  
200  
201  
202  
203  
204  
205  
206  
207  
208  
209  
210  
211  
212  
213  
214  
215  
216  
217  
218  
219  
220  
221  
222  
223  
224  
225  
226  
227  
228  
229  
229  
230  
231  
232  
233  
234  
235  
236  
237  
238  
239  
239  
240  
241  
242  
243  
244  
245  
246  
247  
248  
249  
249  
250  
251  
252  
253  
254  
255  
256  
257  
258  
259  
259  
260  
261  
262  
263  
264  
265  
266  
267  
268  
269  
269  
270  
271  
272  
273  
274  
275  
276  
277  
278  
279  
279  
280  
281  
282  
283  
284  
285  
286  
287  
288  
289  
289  
290  
291  
292  
293  
294  
295  
296  
297  
298  
299  
299  
300  
301  
302  
303  
304  
305  
306  
307  
308  
309  
309  
310  
311  
312  
313  
314  
315  
316  
317  
318  
319  
319  
320  
321  
322  
323  
324  
325  
326  
327  
328  
329  
329  
330  
331  
332  
333  
334  
335  
336  
337  
338  
339  
339  
340  
341  
342  
343  
344  
345  
346  
347  
348  
349  
349  
350  
351  
352  
353  
354  
355  
356  
357  
358  
359  
359  
360  
361  
362  
363  
364  
365  
366  
367  
368  
369  
369  
370  
371  
372  
373  
374  
375  
376  
377  
378  
379  
379  
380  
381  
382  
383  
384  
385  
386  
387  
388  
389  
389  
390  
391  
392  
393  
394  
395  
396  
397  
398  
399  
399  
400  
401  
402  
403  
404  
405  
406  
407  
408  
409  
409  
410  
411  
412  
413  
414  
415  
416  
417  
418  
419  
419  
420  
421  
422  
423  
424  
425  
426  
427  
428  
429  
429  
430  
431  
432  
433  
434  
435  
436  
437  
438  
439  
439  
440  
441  
442  
443  
444  
445  
446  
447  
448  
449  
449  
450  
451  
452  
453  
454  
455  
456  
457  
458  
459  
459  
460  
461  
462  
463  
464  
465  
466  
467  
468  
469  
469  
470  
471  
472  
473  
474  
475  
476  
477  
478  
479  
479  
480  
481  
482  
483  
484  
485  
486  
487  
488  
489  
489  
490  
491  
492  
493  
494  
495  
496  
497  
498  
499  
499  
500  
501  
502  
503  
504  
505  
506  
507  
508  
509  
509  
510  
511  
512  
513  
514  
515  
516  
517  
518  
519  
519  
520  
521  
522  
523  
524  
525  
526  
527  
528  
529  
529  
530  
531  
532  
533  
534  
535  
536  
537  
538  
539  
539  
540  
541  
542  
543  
544  
545  
546  
547  
548  
549  
549  
550  
551  
552  
553  
554  
555  
556  
557  
558  
559  
559  
560  
561  
562  
563  
564  
565  
566  
567  
568  
569  
569  
570  
571  
572  
573  
574  
575  
576  
577  
578  
579  
579  
580  
581  
582  
583  
584  
585  
586  
587  
588  
589  
589  
590  
591  
592  
593  
594  
595  
596  
597  
598  
599  
599  
600  
601  
602  
603  
604  
605  
606  
607  
608  
609  
609  
610  
611  
612  
613  
614  
615  
616  
617  
618  
619  
619  
620  
621  
622  
623  
624  
625  
626  
627  
628  
629  
629  
630  
631  
632  
633  
634  
635  
636  
637  
638  
639  
639  
640  
641  
642  
643  
644  
645  
646  
647  
648  
649  
649  
650  
651  
652  
653  
654  
655  
656  
657  
658  
659  
659  
660  
661  
662  
663  
664  
665  
666  
667  
668  
669  
669  
670  
671  
672  
673  
674  
675  
676  
677  
678  
679  
679  
680  
681  
682  
683  
684  
685  
686  
687  
688  
689  
689  
690  
691  
692  
693  
694  
695  
696  
697  
698  
699  
699  
700  
701  
702  
703  
704  
705  
706  
707  
708  
709  
709  
710  
711  
712  
713  
714  
715  
716  
717  
718  
719  
719  
720  
721  
722  
723  
724  
725  
726  
727  
728  
729  
729  
730  
731  
732  
733  
734  
735  
736  
737  
738  
739  
739  
740  
741  
742  
743  
744  
745  
746  
747  
748  
749  
749  
750  
751  
752  
753  
754  
755  
756  
757  
758  
759  
759  
760  
761  
762  
763  
764  
765  
766  
767  
768  
769  
769  
770  
771  
772  
773  
774  
775  
776  
777  
778  
779  
779  
780  
781  
782  
783  
784  
785  
786  
787  
788  
789  
789  
790  
791  
792  
793  
794  
795  
796  
797  
798  
799  
799  
800  
801  
802  
803  
804  
805  
806  
807  
808  
809  
809  
810  
811  
812  
813  
814  
815  
816  
817  
818  
819  
819  
820  
821  
822  
823  
824  
825  
826  
827  
828  
829  
829  
830  
831  
832  
833  
834  
835  
836  
837  
838  
839  
839  
840  
841  
842  
843  
844  
845  
846  
847  
848  
849  
849  
850  
851  
852  
853  
854  
855  
856  
857  
858  
859  
859  
860  
861  
862  
863  
864  
865  
866  
867  
868  
869  
869  
870  
871  
872  
873  
874  
875  
876  
877  
878  
879  
879  
880  
881  
882  
883  
884  
885  
886  
887  
888  
889  
889  
890  
891  
892  
893  
894  
895  
896  
897  
898  
899  
899  
900  
901  
902  
903  
904  
905  
906  
907  
908  
909  
909  
910  
911  
912  
913  
914  
915  
916  
917  
918  
919  
919  
920  
921  
922  
923  
924  
925  
926  
927  
928  
929  
929  
930  
931  
932  
933  
934  
935  
936  
937  
938  
939  
939  
940  
941  
942  
943  
944  
945  
946  
947  
948  
949  
949  
950  
951  
952  
953  
954  
955  
956  
957  
958  
959  
959  
960  
961  
962  
963  
964  
965  
966  
967  
968  
969  
969  
970  
971  
972  
973  
974  
975  
976  
977  
978  
979  
979  
980  
981  
982  
983  
984  
985  
986  
987  
988  
989  
989  
990  
991  
992  
993  
994  
995  
996  
997  
998  
999  
999  
1000  
1001  
1002  
1003  
1004  
1005  
1006  
1007  
1008  
1009  
1009  
1010  
1011  
1012  
1013  
1014  
1015  
1016  
1017  
1018  
1019  
1019  
1020  
1021  
1022  
1023  
1024  
1025  
1026  
1027  
1028  
1029  
1029  
1030  
1031  
1032  
1033  
1034  
1035  
1036  
1037  
1038  
1039  
1039  
1040  
1041  
1042  
1043  
1044  
1045  
1046  
1047  
1048  
1049  
1049  
1050  
1051  
1052  
1053  
1054  
1055  
1056  
1057  
1058  
1059  
1059  
1060  
1061  
1062  
1063  
1064  
1065  
1066  
1067  
1068  
1069  
1069  
1070  
1071  
1072  
1073  
1074  
1075  
1076  
1077  
1078  
1079  
1079  
1080  
1081  
1082  
1083  
1084  
1085  
1086  
1087  
1088  
1089  
1089  
1090  
1091  
1092  
1093  
1094  
1095  
1096  
1097  
1098  
1099  
1099  
1100  
1101  
1102  
1103  
1104  
1105  
1106  
1107  
1108  
1109  
1109  
1110  
1111  
1112  
1113  
1114  
1115  
1116  
1117  
1118  
1119  
1119  
1120  
1121  
1122  
1123  
1124  
1125  
1126  
1127  
1128  
1129  
1129  
1130  
1131  
1132  
1133  
1134  
1135  
1136  
1137  
1138  
1139  
1139  
1140  
1141  
1142  
1143  
1144  
1145  
1146  
1147  
1148  
1149  
1149  
1150  
1151  
1152  
1153  
1154  
1155  
1156  
1157  
1158  
1159  
1159  
1160  
1161  
1162  
1163  
1164  
1165  
1166  
1167  
1168  
1169  
1169  
1170  
1171  
1172  
1173  
1174  
1175  
1176  
1177  
1178  
1179  
1179  
1180  
1181  
1182  
1183  
1184  
1185  
1186  
1187  
1188  
1189  
1189  
1190  
1191  
1192  
1193  
1194  
1195  
1196  
1197  
1198  
1199  
1199  
1200  
1201  
1202  
1203  
1204  
1205  
1206  
1207  
1208  
1209  
1209  
1210  
1211  
1212  
1213  
1214  
1215  
1216  
1217  
1218  
1219  
1219  
1220  
1221  
1222  
1223  
1224  
1225  
1226  
1227  
1228  
1229  
1229  
1230  
1231  
1232  
1233  
1234  
1235  
1236  
1237  
1238  
1239  
1239  
1240  
1241  
1242  
1243  
1244  
1245  
1246  
1247  
1248  
1249  
1249  
1250  
1251  
1252  
1253  
1254  
1255  
1256  
1257  
1258  
1259  
1259  
1260  
1261  
1262  
1263  
1264  
1265  
1266  
1267  
1268  
1269  
1269  
1270  
1271  
1272  
1273  
1274  
1275  
1276  
1277  
1278  
1279  
1279  
1280  
1281  
1282  
1283  
1284  
1285  
1286  
1287  
1288  
1289  
1289  
1290  
1291  
1292  
1293  
1294  
1295  
1296  
1297  
1298  
1299  
1299  
1300  
1301  
1302  
1303  
1304  
1305  
1306  
1307  
1308  
1309  
1309  
1310  
1311  
1312  
1313  
1314  
1315  
1316  
1317  
1318  
1319  
1319  
1320  
1321  
1322  
1323  
1324  
1325  
1326  
1327  
1328  
1329  
1329  
1330  
1331  
1332  
1333  
1334  
1335  
1336  
1337  
1338  
1339  
1339  
1340  
1341  
1342  
1343  
1344  
1345  
1346  
1347  
1348  
1349  
1349  
1350  
1351  
1352  
1353  
1354  
1355  
1356  
1357  
1358  
1359  
1359  
1360  
1361  
1362  
1363  
1364  
1365  
1366  
1367  
1368  
1369  
1369  
1370  
1371  
1372  
1373  
1374  
1375  
1376  
1377  
1378  
1379  
1379  
1380  
1381  
1382  
1383  
1384  
1385  
1386  
1387  
1388  
1389  
1389  
1390  
1391  
1392  
1393  
1394  
1395  
1396  
1397  
1398  
1399  
1399  
1400  
1401  
1402  
1403  
1404  
1405  
1406  
1407  
1408  
1409  
1409  
1410  
1411  
1412  
1413  
1414  
1415  
1416  
1417  
1418  
1419  
1419  
1420  
1421  
1422  
1423  
1424  
1425  
1426  
1427  
1428  
1429  
1429  
1430  
1431  
1432  
1433  
1434  
1435  
1436  
1437  
1438  
1439  
1439  
1440  
1441  
1442  
1443  
1444  
1445  
1446  
1447  
1448  
1449  
1449  
1450  
1451  
1452  
1453  
1454  
1455  
1456  
1457  
1458  
1459  
1459  
1460  
1461  
1462  
1463  
1464  
1465  
1466  
1467  
1468  
1469  
1469  
1470  
1471  
1472  
1473  
1474  
1475  
1476  
1477  
1478  
1479  
1479  
1480  
1481  
1482  
1483  
1484  
1485  
1486  
1487  
1488  
1489  
1489  
1490  
1491  
1492  
1493  
1494  
1495  
1496  
1497  
1498  
1499  
1499  
1500  
1501  
1502  
1503  
1504  
1505  
1506  
1507  
1508  
1509  
1509  
1510  
1511  
1512  
1513  
1514  
1515  
1516  
1517  
1518  
1519  
1519  
1520  
1521  
1522  
1523  
1524  
1525  
1526  
1527  
1528  
1529  
1529  
1530  
1531  
1532  
1533  
1534  
1535  
1536  
1537  
1538  
1539  
1539  
1540  
1541  
1542  
1543  
1544  
1545  
1546  
1547  
1548  
1549  
1549  
1550  
1551  
1552  
1553  
1554  
1555  
1556  
1557  
1558  
1559  
1559  
1560  
1561  
1562  
1563  
1564  
1565  
1566  
1567  
1568  
1569  
1569  
1570  
1571  
1572  
1573  
1574  
1575  
1576  
1577  
1578  
1579  
1579  
1580  
1581  
1582  
1583  
1584  
1585  
1586  
1587  
1588  
1589  
1589  
1590  
1591  
1592  
1593  
1594  
1595  
1596  
1597  
1598  
1599  
1599  
1600  
1601  
1602  
1603  
1604  
1605  
1606  
1607  
1608  
1609  
1609  
1610  
1611  
1612  
1613  
1614  
1615  
1616  
1617  
1618  
1619  
1619  
1620  
1621  
1622  
1623  
1624  
1625  
1626  
1627  
1628  
1629  
1629  
1630  
1631  
1632  
1633  
1634  
1635  
1636  
1637  
1638  
1639  
1639  
1640  
1641  
1642  
1643  
1644  
1645  
1646  
1647  
1648  
1649  
1649  
1650  
1651  
1652  
1653  
1654  
1655  
1656  
1657  
1658  
1659  
1659  
1660  
1661  
1662  
1663  
1664  
1665  
1666  
1667  
1668  
1669  
1669  
1670  
1671  
1672  
1673  
1674  
1675  
1676  
1677  
1678  
1679  
1679  
1680  
1681  
1682  
1683  
1684  
1685  
1686  
1687  
1688  
1689  
1689  
1690  
1691  
1692  
1693  
1694  
1695  
1696  
1697  
1698  
1699  
1699  
1700  
1701  
1702  
1703  
1704  
1705  
1706  
1707  
1708  
1709  
1709  
1710  
1711  
1712  
1713  
1714  
1715  
1716  
1717  
1718  
1719  
1719  
1720  
1721  
1722  
1723  
1724  
1725  
1726  
1727  
1728  
1729  
1729  
1730  
1731  
1732  
1733  
1734  
1735  
1736  
1737  
1738  
1739  
1739  
1740  
1741  
1742  
1743  
1744  
1745  
1746  
1747  
1748  
1749  
1749  
1750  
1751  
1752  
1753  
1754  
1755  
1756  
1757  
1758  
1759  
1759  
1760  
1761  
1762  
1763  
1764  
1765  
1766  
1767  
1768  
1769  
1769  
1770  
1771  
1772  
1773  
1774  
1775  
1776  
1777  
1778  
1779  
1779  
1780  
1781  
1782  
1783  
1784  
1785  
1786  
1787  
1788  
1789  
1789  
1790  
1791  
1792  
1793  
1794  
1795  
1796  
1797  
1798  
1799  
1799  
1800  
1801  
1802  
1803  
1804  
1805  
1806  
1807  
1808  
1809  
1809  
1810  
1811  
1812  
1813  
1814  
1815  
1816  
1817  
1818  
1819  
1819  
1820  
1821  
1822  
1823  
1824  
1825  
1826  
1827  
1828  
1829  
1829  
1830  
1831  
1832  
1833  
1834  
1835  
1836  
1837  
1838  
1839  
1839  
1840  
1841  
1842  
1843  
1844  
1845  
1846  
1847  
1848  
1849  
1849  
1850  
1851  
1852  
1853  
1854  
1855  
1856  
1857  
1858  
1859  
1859  
1860  
1861  
1862  
1863  
1864  
1865  
1866  
1867  
1868  
1869  
1869  
1870  
1871  
1872  
1873  
1874  
1875  
1876  
1877  
1878  
1879  
1879  
1880  
1881  
1882  
1883  
1884  
1885  
1886  
1887  
1888  
1889  
1889  
1890  
1891  
1892  
1893  
1894  
1895  
1896  
1897  
1898  
1899  
1899  
1900  
1901  
1902  
1903  
1904  
1905  
1906  
1907  
1908  
1909  
1909  
1910  
1911  
1912  
1913  
1914  
1915  
1916  
1917  
1918  
1919  
1919  
1920  
1921  
1922  
1923  
1924  
1925  
1926  
1927  
1928  
1929  
1929  
1930  
1931  
1932  
1933  
1934  
1935  
1936  
1937  
1938  
1939  
1939  
1940  
1941  
1942  
1943  
1944  
1945  
1946  
1947  
1948  
1949  
1949  
1950  
1951  
1952  
1953  
1954  
1955  
1956  
1957  
1958  
1959  
1959  
1960  
1961  
1962  
1963  
1964  
1965  
1966  
1967  
1968  
1969  
1969  
1970  
1971  
1972  
1973  
1974  
1975  
1976  
1977  
1978  
1979  
1979  
1980  
1981  
1982  
1983  
1984  
1985  
1986  
1987  
1988  
1989  
1989  
1990  
1991  
1992  
1993  
1994  
1995  
1996  
1997  
1998  
1999  
1999  
2000  
2001  
2002  
2003  
2004  
2005  
2006  
2007  
2008  
2009  
2009  
2010  
2011  
2012  
2013  
2014  
2015  
2016  
2017  
2018  
2019  
2019  
2020  
2021  
2022  
2023  
2024  
2025  
2026  
2027  
2028  
2029  
2029  
2030  
2031  
2032  
2033  
2034  
2035  
2036  
2037  
2038  
2039  
2039  
2040  
2041  
2042  
2043  
2044  
2045  
2046  
2047  
2048  
2049  
2049  
2050  
2051  
2052  
2053  
2054  
2055  
2056  
2057  
2058  
2059  
2059  
2060  
2061  
2062  
2063  
2064  
2065  
2066  
2067  
2068  
2069  
2069  
2070  
2071  
2072  
2073  
2074  
2075  
2076  
2077  
2078  
2079  
2079  
2080  
2081  
2082  
2083  
2084  
2085  
2086  
2087  
2088  
2089  
2089  
2090  
2091  
2092  
2093  
2094  
2095  
2096  
2097

फरमाने मुस्तफा : عَلَيْهِ الرَّحْمَةُ وَالْمَغْفِلَةُ وَالْمُسْلَمُ : उस शख्स को नाक खाक आलूद हो जिस के पास मेरा ज़िक्र हो और वो हमें मुझ पर दुर्लभ पाक न पढ़े । (ترمذى)

को भी ताक़त मिलेगी, إِنَّ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ ।

«10» मे'दे के अल्सर या अंतड़ियों के ज़ख्म और सूजन में मेथी का इस्ति'माल बहुत मुफ़ीद है ।

«11» पेचिश के मरीजों के लिये 5 ग्राम (छोटी चम्मच) पिसी हुई मेथी पानी से इस्ति'माल करना मुफ़ीद है ।

«12» मेथी पेट के छोटे छोटे कीड़े मारती है ।

«13» मेथी के दाने मुसविकन (या'नी तस्कीन बख्शा), हाज़िम और पेट के तनाव खिंचाव और अफारा (या'नी पेट फूलने का मरज़) ख़त्म करते हैं ।

### कमर और जोड़ों का दर्द

«14» मेथी का इस्ति'माल कमर दर्द, तिल्ली के वरम और गंठिया (जोड़ों के दर्द) वगैरा में नाफ़ेअ (या'नी फ़ाएदा मन्द) है ।

«15» मेथी दाने गुड़ के साथ जोश दे कर इस्ति'माल करने से कमर और जोड़ों के दर्द में आराम आता है ।

«16» गंठिया (या'नी जोड़ों के दर्द) के लिये मेथी के दस ग्राम ताज़ा पत्ते पानी में पीस कर सुब्ह नहार मुंह इस्ति'माल कीजिये । (मेथी के पत्ते सब्ज़ी वालों से मिल सकते हैं)

### खूनी व बादी बवासीर का इलाज

«17» मेथी के मुसल्सल इस्ति'माल से अल्लाह عَزَّ وَجَلَّ के फ़ज़्ल से बवासीर का खून बन्द हो जाता और बा'ज़ अवक़ात मस्से (पाइल्ज़ । PILES) झड़ जाते हैं । अगर साथ में इन्जीर का भी इस्ति'माल किया जाए तो फ़वाइद में इज़ाफ़ा हो सकता है ।

«18» बवासीर के लिये एक नुसख़ ला जवाब येह है कि 250 ग्राम मेथी दाने और 250 ग्राम छोटी इलायची लीजिये और दोनों को बारीक पीस

फरमाने मुस्तफ़ा : عَلَى اللَّهِ تَفَاعِلُ عَلَيْهِ وَإِلَيْهِ وَسُلْطَانُ عَزَّ وَجَلَّ عَلَى الْمُرْسَلِينَ : जो मुझ पर दस मरतबा दुर्लभ पाक पढ़े अल्लाहू अल्लाहू उस पर सो रहमतें नाजिल फरमाता है। (طریق)

लीजिये। दिन में दो या तीन बार चाय की एक एक चम्मच दूध या पानी के साथ इस्ति'माल कीजिये।

﴿19﴾ येह नुस्खा मज्कूरा तरीके से इस्ति'माल करने से बवासीर के इलावा इन बीमारियों के लिये भी मुफ़्रीद है : भूक कम लगना, पुरानी गेस, तबखीर (या'नी वोह बुखारात जो खाने के बा'द दिमाग को चढ़ते हैं और जिस्म को गर्मा देते हैं), बद हज्मी, खट्टी डकारें आना, सीने की जलन, पेट की जलन, पेट फूलना, खाना खाते ही गुनूदगी या'नी नींद चढ़ना और खाना खाते ही तबीअत में उक्ताहट और बेज़ारी पैदा होना।

﴿20﴾ खांसी की दवाएं आम तौर पर मे'दा ख़राब करती हैं लिहाज़ा पुरानी खांसी के मरीज़ का दवाओं के इस्ति'माल की वज्ह से मे'दे की जलन और बद हज्मी के मरज़ से बचना दुश्वार है, मेथी के इस्ति'माल से न सिर्फ़ खांसी को फ़ाएदा होता है बल्कि मे'दे की भी इस्लाह होती है।

﴿21﴾ मेथी बल्ग़म निकालती और फेफड़ों की अन्दरूनी द्विलिलयों की हिफाज़त करती है।

﴿22﴾ मेथी दानों का पाउडर गर्म पानी में घोल कर पीना खांसी और दमे में मुफ़्रीद है।

﴿23﴾ मेथी दाने पानी में हलकी आंच पर खूब अच्छी तरह उबालें, जब क़ाबिले बरदाश्त हो जाए तो उस से ग़रारे कर लीजिये, إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ गले की ख़राश और सूजन के लिये मुफ़्रीद पाएंगे।

### ख़ारिजी सूजन और फोड़ों का इलाज

﴿24﴾ मेथी दानों का छिलका उतार कर उस का गूदा बतौर लेप (पोलिस) (POULTICE) सूजन या फोड़ों पर बांधने से अल्लाहू चाहे तो फ़ाएदा हो जाता है।

फरमाने मुस्तका : حَسْلَى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَالْمَسْلَمُ : जिस के पास मेरा जिक्र हुवा और उस ने मुझ पर दुरुदे पाक न पढ़ा तहकीक वांह बद बख्त हो गया । (ابن حैर)

## मुँह के छाले

﴿25﴾ मुंह के अन्दर, ज़बान के नीचे या होंठों की अन्दरूनी सत्रृप्ति पर छाले हों तो मेथी पका कर खाइये या मेथी के ताज़ा पत्ते पानी में खूब उबाल कर उस के नीम गर्म पानी से सुख्ह व शाम ग़रारे और कुल्लियां कीजिये अन्दरूनी मंह के छाले ठीक हो जाएँगे ।

## शगर और जियाबीतस का इलाज

『26』 मेथी दानों का इस्ति'माल ज़ियाबीतुस (डाया बीटीज़) | DIABETES के ऐसे मरीज़ों के लिये भी मुफ़ीद है जो “इन्सुलीन” का इस्ति'माल करते हैं। इस दौरान चावल, आलू, गोभी, अरवी, केला और दीगर मीठी अश्या से परहेज़ ज़रूरी है, सुब्छ की चहल क़दमी मुफ़ीद है। मेथी के इस्ति'माल के दौरान एलोपेथिक दवाएं इस्ति'माल हो रही हों तो कोई हरज नहीं।

﴿27﴾ मेथी दाने दर-दरे (या'नी मोटे मोटे) पिसे हुए 20 ग्राम रोज़ाना खाने से إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ सिर्फ़ दस दिन के अन्दर ही पेशाब और खून में शूगर की मिक्दार कम हो जाएगी अगर्चे अलामाते मरज़ में कमी होने के सबब मरीज़ को खुद भी फ़ाएदे का अन्दाज़ा हो जाता है लेकिन बेहतर है कि हर दस दिन बा'द शूगर का टेस्ट करवा लिया जाए। शूगर के तनासुब से मेथी दानों का इस्ति'माल रोज़ाना 100 ग्राम तक भी किया जा सकता है। इस सिल्सिले में मेथी के बीज दाल की तरह या किसी सब्जी में मिला कर पका कर भी इस्ति'माल किये जा सकते हैं।

『28』 मेथी दानों का एक जैली असर (साइड इफेक्ट | SIDE EFFECT) ये है कि बा'ज़ मरीज़ों का पेट शुरू अमें कुछ फूल जाता है लेकिन बा'द में ये ह असर खद ब खद दर भी हो जाता है।

॥२९॥ लो शगर के मरीज मेथी इस्ति'माल न करें ।

फरमाने मुस्तकाम : جس نے مुझ पर سुन्ह ک شام دس بار دुरूदے پاک پढ़ा उसे क़ियामत  
के दिन मेरी शफ़ाअत मिलेगी (صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ) ।

## मेथी कोलेस्ट्रोल में कमी लाती है

『30, 31』 एक तहकीक के मुताबिक रोजाना मेथी के दाने इस्त'माल करने से कोलेस्ट्रोल (CHOLESTEROL) और ट्राई ग्लेस राइड्ज (Triglycerides) में कमी आती और दिल की बीमारियों का इम्कान कम हो जाता है।

﴿32﴾ मेरी पेशाब आवर है, गुर्दे की सूजन के सबब जब पेशाब कर आता है तो मेरी के इस्तमाल से بِفَضْلِهِ تَعَالَى पेशाब खुल कर आता है ।

## सर्दियों में मेथी के फाएदे

﴿33﴾ सर्दियों में रोज़ाना खाने के बा’द पानी से मेथी दाने छोटा चम्मच आधा इस्त’माल कर लेने से सर्दियों की अक्सर बीमारियों से हिफाज़त होती है، ।

﴿34﴾ सर्दी की वजह से पेशाब की तकलीफ़ हो तो मेथी के दाने शहद के साथ इस्ति'माल करने से ابن شاائعَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ फाएदा होगा ।

बाल लम्बे करे, झड़ने से बचाए

﴿35﴾ मेरी दानों को पानी में कुछ देर भिगो कर नर्म कर लेने के बाद पीस कर हफ्ते में दो बार सर पर इस तरह लगाएं कि जड़ों में भी लग जाए और कम अजून एक घन्टा लगा रहने दीजिये इस के बाद सर धो लीजिये बाल गिरने बन्द हो जाएंगे और लम्बे भी होंगे ।

﴿36﴾ मेरी के साग या 'नी पने चेहरे पर मलने से चेहरा साफ होता है ।

## औरतों की बीमारियां

『37』 औरत को सिन्ने बुलूग़त की इक्तिदा में माहवारी के सबब बसा अवकात जिस्मानी थकन, कमज़ोरी, चेहरे पर बे रैनकी और ज़र्दी आ जाती है, माहवारी की जियादती के सबब भी ऐसी अलामात पैदा हो

फरमाने मुस्तकः : مَنِ الْعَالِيُّ عَلَيْهِ الْوَسْطَمْ : जिस के पास मेरा ज़िक्र हुवा और उस ने मुझ पर दुरुद शरीफ न पढ़ा उस ने जफ़ा की । (بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ)

जाती हैं, ऐसे मौक़अ़ पर मेथी भून कर गोशत या किसी दूसरी सब्ज़ी के साथ खाने से إِنَّ اللَّهَ عَزَّوَ جَلَّ येह हालत जाती रहेगी ।

﴿38﴾ जिन औरतों को बार बार खून आता हो उन के लिये मेथी का इस्ति'माल मुफ़ीद है ।

﴿39﴾ मेथी बच्चादानी के वरम (या'नी सूजन) और दर्द वगैरा में फ़ाएदा मन्द है ।

﴿40﴾ बच्चे की पैदाइश के बा'द मां का दूध कम पैदा हो रहा हो तो मेथी के बीज थोड़ी सी मिक्दार में या किसी माहिर तबीब के मश्वरे से इस्ति'माल किये जाएं तो दूध की पैदाइश में इजाफ़ा हो सकता है ।

### तबीअत हशशाश बशशाश हो

﴿41﴾ मेथी की पत्तियां उबालने के बा'द हलका सा भून कर खाएं तो बदन की एक खिल्लत सफ़ा (या'नी पित, ज़र्द रंग का कड़वा पानी) की ज़ियादती ख़त्म हो कर तबीअत हशशाश बशशाश हो जाती है ।

﴿42﴾ मेथी की पत्तियां भूक बढ़ाती हैं ।

﴿43﴾ मेथी की पत्तियां कब्ज़ खोलती हैं, इजाबत खुल कर आती है और यूं इन्सान खुद को तरो ताज़ा और हलका फुलका मह़सूस करता है ।

### मेथी के क़हवे के म-दनी फूल

﴿44﴾ मेथी का क़हवा (या'नी जोशांदा) बनाना बहुत आसान है, ह़स्बे ज़रूरत मेथी दाने पानी में डाल कर चूल्हे पर कुछ देर अच्छी तरह जोश दे कर छान लीजिये, क़हवा (जोशांदा) तय्यार है ।

﴿45﴾ मेथी का क़हवा खांसी, ह़ल्क की सूजन इस की जलन और दर्द में फ़ाएदा करता है ।

फरमाने मुस्तफ़ा : عَلَى اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ وَبِرَحْمَتِهِ وَبِرَحْمَةِ مُحَمَّدٍ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ : जो मुझ पर रोज़े जुमा आ दुर्द शरीफ पढ़ेगा मैं कियामत के दिन उस की शफाअत करूँगा । (جع الجوائز)

«46» मेथी का क़हवा सांस की घुटन और मे'दे की जलन के लिये मुफीद है ।

«47» मेथी का क़हवा, मे'दे और अंतड़ियों की गन्दगियां साफ़ करता और निजामे हज्म से इज़ाफ़ी और नुक्सान देह रत्नबत्तें खारिज करता है ।

«48» मेथी का क़हवा पसीना लाता है और अगर खून में किसी किस्म के जरासीम की गन्दगी या ज़हर है और उस के सबब बुख़ार आ रहा है तो उसे जिस्म से खारिज करता है नीज़ बुख़ार का दौरानिया भी कम कर देता है ।

«49» आप अमराज़ नज़्ला, जुकाम और बुख़ार में ख़ाली पेट दिन में तीन चार मर्तबा एक कप मेथी का क़हवा पिया जाए तो إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ दो तीन दिन में येह तकलीफ़ ख़त्म हो जाएगी ।

«50» अगर मुंह में बदबू आती हो, जिस्म के किसी हिस्से म-सलन नाक कान वगैरा में बदबूदार मवाद जम्भ़ु हो जाता हो, पेट से सख़्त बदबूदार हवा खारिज होती रहती हो, बदन से पसीने की तेज़ बदबू निकलती हो तो मेथी का क़हवा मुसल्सल चन्द रोज़ तक इस्ति'माल कीजिये, إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ येह आप के जिस्म से सारे फ़ासिद और ज़हरीले मादे खारिज कर देगा और बदबू की शिकायत जाती रहेगी ।

**गुटका खोर के तबाह हाल मुंह का इलाज हो गया !**

**( हिकायत )**

एक साहिब के बयान का खुलासा है : मैं ने तक़रीबन 20 साल पान गुटके खाए हैं और इस क़दर कसरत से खाए हैं कि नमाज़ और खाना खाने के इलावा मेरा मुंह कभी ख़ाली नहीं रहता था ! اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ अब चार साल से पान गुटके बिल्कुल छूट गए हैं, छोड़ने की वजह येह बनी

فَرَمَّاَنِي مُسْتَفْضًا : عَلَيْهِ الْمَنَالِي عَلَيْهِ وَالْوَسْلَمُ نَعَلَنَتْ كَا رَاسْتَاَ شَوَّدْ دِيَّاً (بِرَّلِنْ)

कि मेरा मुंह अन्दर से कच्चा हो कर बिल्कुल गल गया था, मैं सालन तो सालन दही से भी रोटी नहीं खा सकता था, सालन और दही से मेरे मुंह में जलन मचती थी। बिगैर नमक मिर्च के सिर्फ़ सादा खिचड़ी खाता था, मेरा मुंह भी सहीह तरीके से नहीं खुलता था। जब येह बात मेरे सामने आई कि पान गुटके वगैरा से मुंह का केन्सर होता है, मैं बहुत परेशान हो गया।

एक बार किसी 70 सालह बूढ़े चोकीदार से मुलाक़ात पर मैं ने अपनी परेशानी बयान की, उस ने कहा : बाज़ार से दस रुपै की फटकरी और दस रुपै के मेथरे (या'नी मेथी दाने) जो कि अचार में डाले जाते हैं वोह ले आओ और येह दोनों दवाएं एक स्टील के बरतन में चार लीटर पानी के अन्दर डाल कर चूल्हे पर हलकी आंच पर रख दो, फटकरी भी पानी में हल हो जाएगी और मेथरे (या'नी मेथी दाने) भी पानी में फट जाएंगे, जब एक लीटर पानी जल जाए, या'नी तीन लीटर पानी रह जाए तो चूल्हे से उतार लो और ठन्डा होने पर उस को बोतलों में भर कर धूप से बचा कर साए में ठन्डी जगह पर रख दो मगर फ़्रीज में न रखना और सुब्ज़ नहार मुंह (या'नी नाश्ते से क़ब्ल ख़ाली पेट) थोड़ा पानी मुंह में रोक रोक कर ग़रारे और कुल्लियां करो, इसी तरह दिन में चार पांच मर्तबा और सोते वक्त भी करना है और परहेज़ येह बताया कि कुल्ली और ग़रारे करने के बाद कम अज़ कम आधे घन्टे तक कोई चीज़ खानी पीनी नहीं है।

बड़े साहिब ने बताया कि **إِنَّ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ** फटकरी से मुंह और गले के तमाम जरासीम ख़त्म हो जाएंगे और मेथरों (या'नी मेथी दानों) से मुंह और गले के सारे ज़ख़म सहीह हो जाएंगे और बस एक हफ्ते की बात है इस के बाद जो मरज़ी है खाओ पियो **إِنَّ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ** कोई रुकावट नहीं पड़ेगी।

फरमाने मुस्तफ़ा : صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَسَلَّمَ : मुझ पर दुरुदे पाक की कसरत करो बेशक तुम्हारा मुझ पर दुरुदे पाक पढ़ना तुम्हारे लिये पाकीज़गी का बाइस है। (لِبْر)

मैं ने येह नुस्खा उसी दिन बना कर इस्ति'माल करना शुरूअ़ कर दिया और الْحَمْدُ لِلَّهِ عَزُوزُ جَلُّ एक हफ्ते के अन्दर मेरा मुंह सहीह होना शुरूअ़ हो गया, मुंह के ज़ख्म भर कर ख़त्म होना शुरूअ़ हो गए और फिर मैं ने इस नुस्खे के बा'द एक और नुस्खा भी इस्ति'माल करना शुरूअ़ कर दिया। वोह नुस्खा पोदीने का था क्यूं कि मैं ने पढ़ा था कि पोदीना एन्टी एलर्जिक (ANTI-ALLERGIC) है और मुझे याद पड़ता है कि कहीं येह भी पढ़ा था कि पोदीना केसर को ख़त्म करता है लिहाज़ा मैं ने पोदीना सुखा कर बोतल में डाल लिया और दिन में कई बार दो<sup>2</sup> दो<sup>2</sup> चुटकियां ले कर मुंह में डाल कर ख़बूब चूस चूस और चबा चबा कर खाता मा'मूली सी जलन होती मगर الْحَمْدُ لِلَّهِ عَزُوزُ جَلُّ मेरा मुंह बिल्कुल साफ़ हो गया। कहां मैं मा'मूली सी मिर्च भी न खा सकता था मगर अब मेरा मुंह बिल्कुल पहले जैसा हो गया है, जैसे मैं ने कभी पान और गुटके खाए ही नहीं और अब الْحَمْدُ لِلَّهِ عَزُوزُ جَلُّ पान गुटकों से हमेशा के लिये कान पकड़ लिये हैं। जबड़े तो मेरे ज़ियादा मु-तअस्सर नहीं हुए थे मगर फिर भी मैं ने नमाज़ से पहले दांतों में मिस्वाक शुरूअ़ कर दी, मिस्वाक को दांतों में दबा कर जबड़े हलके हलके चलाता जिस से वोह भी अपनी अस्ल हालत पर आ गए हैं और الْحَمْدُ لِلَّهِ عَزُوزُ جَلُّ मैं बिल्कुल सिहृत याब हो चुका हूं और उस मुंह के मूज़ी मरज़ से मुझे नजात मिल गई है। (पान गुटके वगैरा की तबाह कारियां जानने के लिये मक-त-बतुल मदीना का मत्खूआ रिसाला “पान गुटका” का मुता-लआ फ़रमाइये)

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَسَلَّمَ

आंखों के नम्बर और मोतिया ख़त्म हो गया ! ( हिकायत )

किसी का बयान है : मेरे भाई की नज़र रोज़ बरोज़ कमज़ोर होती

फरमाने मुस्तका : ﷺ : जिस के पास मेरा ज़िक्र हो और वोह मुझ पर दुरुद शरीफ़ न पढ़े तो वोह लोगों में से कन्यूस तरीन शरूस है। (مسند احمد)

और चश्मे के नम्बर बढ़ते चले जा रहे थे, उन्होंने किसी के मश्वरे के मुताबिक़ अ़मल किया तो ﷺ उन की नज़र दुरुस्त हो गई ! हमारी नानीजान की आंखों में सफेद मोतिया उतर आया, जब उन्होंने इस नुस्खे पर अ़मल किया तो ﷺ उन की नज़र भी बहाल हो गई ! **इलाज का तरीका :** खालिस आबे ज़मज़म किसी खाली ड्रोपर में डाल लीजिये और पांचों नमाज़ों के बा'द दोनों आंखों में एक एक क़तरा डालिये अगर आंखें ख़राब हुईं तो जलन होगी मगर घबराइये नहीं जूं जूं आंखें ठीक होती जाएंगी **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ** जलन कम होती जाएगी । (मुद्दते इलाज : ता हुसूले शिफ़ा)

### स्कूटर के पेट्रोल में ब-र-कत की हिकायत

एक साहिब का बयान है : मैं अपनी मोटर साइकिल में 8 लीटर पेट्रोल डलवाता था जो सिर्फ़ एक हफ्ता चलता था । फिर मैं ने पेट्रोल डलवाने से पहले अब्बल आग्खिर दुरुद शरीफ़ के साथ सात बार सू-रतुल कौसर पढ़ कर पेट्रोल की टंकी पर दम करना शुरूअ़ कर दिया, अब वोही 8 लीटर पेट्रोल तीन हफ्ते चल जाता है ।

ये हरिसाला पढ़ कर दूसरे को दे दीजिये

शादी गमी की तक्रीबात, इज्जतमाआत, आ'रास और जुलूसे मीलाद वगैरा में मक-त-बतुल मदीना के शाएअ कर्दा रसाइल और म-दनी फूलों पर मुश्तमिल पेम्फ़लेट तक्सीम कर के सवाब कमाइये, गाहकों को ब नियते सवाब तोहफ़ में देने के लिये अपनी दुकानों पर भी रसाइल रखने का मा'ूल बनाइये, अख्भार फ़रोशों या बच्चों के ज़रीए अपने महल्ले के घर घर में माहाना कम अज़ कम एक अदद सुन्नतों भरा रिसाला या म-दनी फूलों का पेम्फ़लेट पहुंचा कर नेकी की दा'वत की धूमें मचाइये और ख़ूब सवाब कमाइये ।

गमे मदीना, बकीअ,  
मगिफ़रत और बे  
हिसाब जन्तुल  
फ़िरदौस में आका  
के पड़ोस का तालिब



25 र-मज़ानुल मुवारक 1435 सि.हि.

24-07-2014

## सून्नत की बहारें

हर इस्लामी भाई अपना ये हज़ेरन बनाए कि “मुझे अपनी और सारी दुन्या के लोगों की इस्लाह की कोशिश करनी है। ﴿لَهُ مُزَكِّيٌّ لِّنُنَهَا﴾” अपनी इस्लाह की कोशिश के लिये “म-दनी इन्न-आमात” पर अमल और सारी दुन्या के लोगों की इस्लाह की कोशिश के लिये “म-दनी कुफ़िलों” में सफ़र करना है। ﴿لَهُ مُزَكِّيٌّ لِّنُهَا﴾



माफ-त-घरान मारीचा

३५८

फैज़ाने मदीना, ब्री कोनिया बगीचे के सामने, मिरजापूर, अहमदाबाद-1, गुजरात, इन्डिया  
Mo.091 93271 68200 E-mail : maktabaahmedabad@gmail.com www.dawateislami.net